राज
कॉमिक्स विशेषांक
मूल्य 15.00 संख्या 10
किरीगी का कहर
इस कॉमिक्स विशेषांक के साथ ध्रुव का मेग्नेट स्टीकर मुफ्त
RajcomicsFanNation
BRINGING THE JANOON BACK
सुपर कमांडो ध्रुव

This comic/ebook is brought to you by and is the exclusive property of Raj Comics Fan Nation (RFN)
http://www.orkut.com/Main#Community.aspx?cmm=63751321

We rekindle old memories and do it in style. This is RFN, boasting a library of 3,296 digital comics (and counting), our passion ranges from Nagraj, Dhruv, Doga to Ram Rahim, Crookbond n Hawaldar Bahadur. From Chacha Chaudhary, Pinki, Biloo to Tinkle and Amar Chitra Katha, you'll find them at RFN. Raj, Tulsi, Diamond, Manoj, DC, Marvel, King,…..one name..RFN.

Not just comics, but special weekly fests, games, artworks, cash and comic prizes; now branded the **Official Raj comics Community 2009**, it is host to every artist of Raj comics.

Rocking the Nation, Bringing the Junoon Back! Relive the Passion, Share the glory.

Raj Comics Fan Nation.

RAJ COMICS FAN NATION
BRINGING THE JANOON BACK

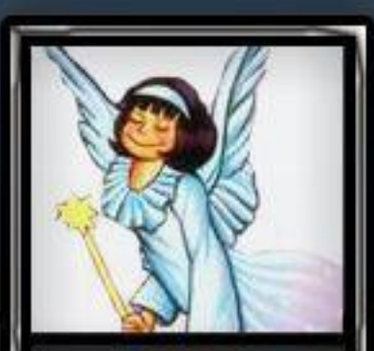

COMICS UPLOADED BY

ANUBHAV

Special Thanks to
Mr. OBAID ANSARI

Anubhav's scan

किरीगी का कहर

कथा एवं चित्र : अनुपम सिन्हा
संपादन : मनीष चंद्र गुप्त

Anubhav's scan

लेकिन अपराध के कई रूप होते हैं, और अपराध करने के कई कारण।

और उनमें से एक कारण, राजनगर की सीमा से लगे घने जंगलों में स्थित इस *प्राचीन कुटी* के अंदर है।

जिस कुटी में हजारों वर्ष पहले ऋषि मुनि ज्ञान की खोज किया करते थे। और उस ज्ञान को काष्ठपत्रों पर दर्ज किया करते थे।

आज शायद कोई इन ही *काष्ठपत्रों* की तलाश में यहां पर आया है।

प्राचीन काष्ठ-पत्र!

कहीं ये काष्ठपत्र, पुराणों का वही *खोया* हिस्सा तो नहीं हैं, जिसकी मुझे तलाश है?

देखूं, इस पर क्या लिखा है?

रक्षजाति एवं देवजाति के मध्य युद्ध और घमासान हो रहा था। परंतु देवों का पलड़ा धीरे-धीरे भारी होता जा रहा था। रक्षों अर्थात् राक्षसों की मायावी शक्ति कम हो रही थी। उनको मायावी शक्तियां पुनः प्राप्त करने के लिए शक्ति के स्रोत *लालहीरे* की आवश्यकता थी। जो पूर्वांचल के सम्राट सां-सुक के पास था।

रक्षों से हमले का खतरा बढ़ जाने पर सां-सुक ने उस शक्तिपुंज लाल हीरे को देवों के हाथ में सौंप देने का निर्णय लिया।

यह कहानी तो मैं खुद भी जानता हूं!

देखूं, कि इसमें आगे काम की बात लिखी है या नहीं!

देवों ने लाल हीरे को पूर्वी हिमालय पर स्थित कलिंपा मठ में स्थापित कर दिया, और अमर योद्धा निंजा किरीगी को उसका रक्षक नियुक्त कर दिया। फिर देवों ने मठ को उस महाऊर्जा से ढंक दिया, जो केवल राक्षसों के लिए ही घातक थी।

कुछ रक्षों ने मठ में घुसने का प्रयत्न भी किया, परंतु महाऊर्जा के कवच ने उनको जलाकर भस्म कर दिया। राक्षसों के पास अब मायावी शक्तियां प्राप्त करने का...

बस! मेरा काम हो गया!

मेरी *सैंकड़ों* वर्षों की तलाश पूरी हुई!

मुझे उस शक्ति-स्रोत का पता चल गया है, जो रक्षजाति को एक बार फिर ब्रह्मांड पर राज्य करायेगा!

राक्षस राज चंडकाल की जय!

हा हा हा हा हा हा हा!

Anubhav's scan

Anubhav's scan

Anubhav's scan

Anubhav's scan

पर, अफसोस, कि मैं ऐसा नहीं कर सकता।

चंडकाल के मंत्रदण्ड से एक लपट सी निकली –

और ध्रुव ने अपने आपको एक आग के पिंजरे में कैद पाया।

हाहाहाहा! अब मैं तुम्हे इसी पिंजरे में फरारी तक ले जाऊंगा!

अरे! यह क्या हो रहा है? मेरी आंखें जरूर धोखा खा रही हैं।

यह किसी प्रकार का दृष्टि-भ्रम है।

आऊ! यह आग तो असली है! यानि यह चंडकाल सचमुच कोई तांत्रिक है क्या?

मैं गोली-बारूद से तो निपट सकता हूं! पर 'तंत्र-मंत्र' से टक्कर कैसे ली जा सकती है?

मिल गया जवाब! चंडकाल अपने तांत्रिक वार मंत्रदण्ड के जरिए कर रहा है!

यानि अगर यह दण्ड नष्ट कर दिया जाए, तो यह पिंजरा भी गायब हो जाना चाहिए।

और यह काम करने के लिए मेरा एक दोस्त यहां पर मौजूद है।

अगले क्षण- ध्रुव के गले से एक घुरघुराहट उभरी–

और भयभीत कुत्ता अपना सारा भय भूलकर चंडकाल के हाथ पर झपट पड़ा–

अरे! अरे!! आईईई!

इस अचानक हुई घटना से चकित होकर चंडकाल के हाथ से मंत्रदण्ड छूटकर नीचे जा गिरा।

Anubhav's scan

और मंत्रदण्ड से चंडकाल का मानसिक संपर्क भी टूट गया।

साथ ही साथ- ध्रुव को कैद में रखने वाला आग का पिंजरा भी गायब होने लगा।

...मैं इसतक पहुंचकर इसको नष्ट कर दूंगा।

मेरा ख्याल सही निकला।

अब इससे पहले कि चंडकाल वापस अपने मंत्रदण्ड तक पहुंच सके,...

इसलिए चंडकाल का ध्यान एक बार फिर बंटाना होगा!

निशाना सटीक था। पत्थर सिर से टकराते ही चंडकाल का दिमाग पल भर के लिए अंधकार में डूब गया—

तड़ाक

अच्छा! तो तुम समझते हो कि मेरा मंत्रदण्ड तुम अपने पास रख सकते हो?

मेरे मंत्रदण्ड को दुनिया की कोई भी ताकत रोक कर नहीं रख सकती, ध्रुव!

ओह! यह मंत्रदण्ड तो सचमुच चंडकाल की तरफ खिंच रहा है!

अगर मंत्रदण्ड इसके हाथों में वापस पहुंच गया, तो फिर मेरी हार निश्चित है।

मंत्रदण्ड से उसका मानसिक संपर्क दुबारा टूट गया।

Anubhav's scan

और उसी पल - ध्रुव ने आश्चर्यजनक शक्ति दिखाते हुए...

कड़क

...मंत्रदण्ड के दो टुकड़े कर दिए।

नहीं, मूर्ख! यह तूने क्या किया?

तूने मेरी वर्षों की तांत्रिक साधना के बाद प्राप्त हुए मंत्रदण्ड को नष्ट कर दिया।

अब मैं तुझे जिंदा नहीं छोड़ूंगा!

चंडकाल की दहकती आंखें ध्रुव की आंखों से टकराईं।

और ध्रुव का पूरा बदन जड़ हो गया।

यह मुझे सम्मोहित कर रहा है!

मुझे इसके सम्मोहन की पकड़ से बाहर निकलना ही होगा, वर्ना मेरी आंखें हमेशा के लिए बंद हो जाएंगी।

इस वक्त मेरे दिमाग को एक ऐसा तेज झटका चाहिए ...

टूट

... जो मुझे चंडकाल के सम्मोहन से आजाद करा दे।

अब तू हिल नहीं सकता, दुष्ट लड़के! मैं अपने मंत्रदण्ड के टूटने का बदला तेरे लहू की एक-एक बूंद पीकर लूंगा।

आश्चर्य! तुम अब भी अपना हाथ जरा सा हिला सकते हो? कमाल की इच्छा-शक्ति है तुम में!

पर अब यह तुम्हारी कोई मदद नहीं ...?

झटका

अब मुझे यह 'रोड क्रॉसिंग इंडीकेटर' ही बचा सकता है!

मेरा दिमाग धीरे-धीरे शून्य हो रहा है।

ध्रुव ने एक झटके से तारों को बाहर खींच लिया।

Anubhav's scan

तारों के एक हल्के से स्पर्श से ही ध्रुव के पूरे बदन में बिजली का एक तेज झटका दौड़ गया।

धड़ड़ड़ड़

और ध्रुव का दिमाग तथा शरीर, दोनों ही चंडकाल के सम्मोहिनी शिकंजे से आजाद हो गए।

फिर ध्रुव ने चंडकाल को संभलने का मौका नहीं दिया।

यह सम्मोहन का जादू अपनी आंखों से करता है।

इसलिए सबसे पहले इसकी आंखों का इलाज करना पड़ेगा।

और इसका तरीका मामूली सा है।

यह हो गई इसकी आंखें बंद!

अब बोलो, चंडकाल! तुम कितने साल के लिए जेल जाना पसंद करोगे?

मुझे जिंदगी में पहली बार किसी ने मात दी है, लड़के! तुम्हारी शक्ति और बुद्धि सचमुच तारीफ के काबिल है।

पर तुम मुझे पकड़ सको, इतनी काबिलियत तुम में नहीं है!

अरे! य.. यह तो धुआं बन रहा है!!

फट

मैं वापस आऊंगा, ध्रुव! और उस दिन तुम मुझसे नहीं बच पाओगे!

क्योंकि अब की बार मैं तैयारी के साथ आऊंगा!

हा हा हा हा हा!

Anubhav's scan

☆ पढ़िए 'वू-डू' और 'ग्रेंडमास्टर रोबो'

RAJ COMICS
FAN NATION
RAN

Anubhav's scan

Anubhav's scan

चंडकाल को यह नाटक काफी मंहगा पड़ने वाला था। क्योंकि ध्रुव ने अपनी छानबीन शुरू कर दी थी।

वाह! आज तो डॉल्फिन आधी सीटी में ही आ गई।

कैसे हो, दोस्त? आज तुमको फिर मुझे लेकर *स्वर्ण-नगरी* चलना है।

उन लोगों ने शायद अपने रहने का स्थान बदल दिया हो।

पर तुम जैसे घुमक्कड़ को वह स्थान जरूर मालूम होगा।

डॉल्फिन को वह जगह शायद पता थी।

क्योंकि कुछ ही क्षणों बाद- डॉल्फिन, ध्रुव को लेकर सागर की अथाह गहराइयों में उतर रही थी।

और शीघ्र ही-

तुम मुझे यहां पर क्यों ले आए, दोस्त?

इस जगह पर तो *स्वर्ण मानव* पहले रहा करते थे।

इस वक्त तो यहां पर दूर-दूर तक कुछ नहीं है।

तुमको अवश्य कुछ भ्रम हुआ है, डॉल्फिन!

हमको किसी और स्थान पर जाकर स्वर्ण-नगरी की तलाश करनी चाहिए।

क्या बात है, डॉल्फिन? तुम इतना उत्तेजित क्यों..? हे *भगवान*!

पीछे घूमकर देखते ही. ध्रुव का बदन कंपकंपाहट से भर गया।

Anubhav's scan

दृश्य खून जमा देने वाला था।

हत्यारी शॉर्कों का पूरा एक झुंड!

यह हमारी तरफ ही आ रहा हैं।

और मेरे पास मंत्रदण्ड के इस टूटे टुकड़े के अलावा और कोई हथियार नहीं हैं।

पहली शॉर्क के खतरनाक जबड़े से ध्रुव बाल - बाल बचा। पर बचते- बचते भी शॉर्क के तेज दांतों ने ध्रुव के पैर पर एक खरोंच मार ही दी।

और खरोंच से खून की एक पतली धार निकलकर पानी में घुलने लगी।

शॉर्कों को और खूंखार बना देने के लिए खून की इतनी सी महक ही काफी थी।

इनको मेरे खून की गंध मिल गई हैं।

अब ये जबतक मेरा लंच नहीं कर लेतीं, तब तक ये मुझपर हमला करती रहेंगी। किसी तरह से इनका ध्यान बंटाना ही पड़ेगा।

शॉर्कें, ध्रुव की तरफ लपकीं।

Anubhav's scan

पर तभी– आगे बढ़ती शार्कों को डॉल्फिन की एक *जोरदार* टक्कर लगी, और हत्यारी शार्कें अपना संतुलन खो बैठीं।

ध्रुव ने यह मौका नहीं गंवाया।

शार्कों के पेट की खाल मुलायम होती है। डंडे का नुकीला सिरा इस खाल में कम से कम एक गहरी खरोंच तो मार ही सकता है।

और इस खरोंच से निकलता खून बाकी शार्कों को, इस शार्क की तरफ आकृष्ट कर लेगा। और वे मुझे भूल...!

पर तभी- आश्चर्य हो गया।

अरे! यह लकड़ी का डंडा तो शार्क के पेट में ऐसे घुस गया, जैसे *मक्खन* में *गर्म* छुरी !!

और एक हल्के से झटके से इसका पेट कटता चला जा रहा है!

यह डंडा सचमुच *मामूली* लकड़ी का टुकड़ा नहीं है।

सचाक

खून और मांस की झलक मिलते ही हत्यारी शॉर्कें, अपने ही साथी पर टूट पड़ीं।

वाह, भगवान! तेरी दुनिया में कमजोर पड़ने वाले को कोई नहीं छोड़ता।

अब हमारे पास मौका है, डॉल्फिन! *चलो*, हमको स्वर्ण नगरी की तलाश करनी है।

Anubhav's scan

तुम चलती क्यों नहीं हो, डॉल्फिन?

यह तो यहां से हिल ही नहीं रही है!

और अब बाकी शॉर्के अपने साथी को खाने के बाद फिर इधर आ रही हैं।

मैं इस एक डंडे से इन सबका मुकाबला नहीं कर सकता।

कई भयावह जबड़े, ध्रुव को चबा जाने के लिए एक साथ आगे लपके!

पर उसी पल—

अरे! एकाएक सारा पानी बर्फ में बदल गया है! और सारी शार्कें इसमें कैद हो गई हैं। पर कैसे?

कड़ाक!

धनंजय!

तुमने मुझे कैसे ढूंढ लिया?

मैंने नहीं, बल्कि तुमने मुझे ढूंढ लिया है। इस वक्त तुम स्वर्ण नगरी के बाहर खड़े हो, ध्रुव!

हमारी शीत-किरणों के लिए यह मामूली सा काम है, ध्रुव!

पर..पर स्वर्ण नगरी तो मुझे कहीं नजर नहीं आ रही है।

अभी दिखा देता हूं।... देखो!

Anubhav's scan

धनंजय के हाथ उठाते ही, ध्रुव की आंखों के सामने सोने की एक विशाल नगरी प्रकट हो गई।

स्वर्ण-नगरी अपनी पुरानी जगह पर ही स्थित है, ध्रुव!

परंतु अब हम अपनी नगरी को अदृश्य किरणों से ढककर रखते हैं। ताकि ग्रैंडमास्टर रोबो जैसे लोग दुबारा हम तक न पहुंच पाएं। ☆

पर डॉल्फिन ने इस अदृश्य नगरी को कैसे देख लिया?

हमारी अदृश्य किरणें सिर्फ मानवों की आंखों पर ही असर करती हैं।

क्योंकि हमको खतरा सिर्फ मानवों से ही है। इन समुद्री जीवों से नहीं।

अच्छा! तो इसीलिए डॉल्फिन मुझको यहां से आगे नहीं ले जा रही थी।

अब बताओ, ध्रुव! तुमको एकाएक हमारी याद कैसे आ गई?

और समुद्र की अथाह गहराइयों से बहुत दूर –

हिमालय की गगनचुंबी ऊंचाइयों पर एक हैलीकॉप्टर मंडरा रहा था।

यही वह घाटी लगती है, शूला!

यस, सोर्डी! नक्शे में इसी जगह पर निशान लगा हुआ है।

हैलीकॉप्टर घाटी के अंदर ले चलो, राना!

☆ पढ़िए 'ग्रैंडमास्टर रोबो'

Anubhav's scan

बादलों के नीचे –

वाह! बादलों के नीचे घाटी बनी हुई है।

आखिर हम गोली चलाएंगे किसपर?

शूला की गोली चलाने की इच्छा जल्दी ही पूरी होने वाली थी।

हिममानव यतियों का राजकुमार- शक्तिवान जिंगालू

उड़नयान? यहां पर?

लेकिन मशीनगनें लेकर आना बेकार हो गया, यार!

यहां पर तो चिड़िया तक नहीं उड़ रही है।

क्योंकि उनका उतरना अंदेखा नहीं गया था।

उनको देख रहा था-

सोर्डी! वह देख! एक प्राचीन इमारत!

यह वही मठ होना चाहिए, जिसके अंदर लाल हीरा रखा हुआ है! राना, हैलीकॉप्टर यहीं उतारो!

इस पवित्र स्थान पर कोई उड़नयान पहली बार आया है।

पर इनके इरादे नेक हैं या नहीं? यह जानने के लिए मुझे इनपर नजर रखनी पड़ेगी।

और जल्दी ही –

राना को हैलीकॉप्टर में ही छोड़कर, शूला और सोर्डी अंधेरे मठ में घुस रहे थे।

और अंदर रखा था –

शूला, देख!

लाल हीरा!

ओह! इससे तो तेज रोशनी की किरणें फूट रही हैं!

RRJ
COMICS
FAN NATION

BUY
COMICS

SAVE
COMICS
INDUSTRY

by Anubhav

Anubhav's scan

शूला, देखो यहां पर क्या लिखा है? तुमको तो यहां की भाषा आती है।

लिखा है, 'यहां पर काल-जयी अमर महानिंजा किरीगी अपनी योगिक साधना में लीन हैं! लाल हीरा उसकी साधना का केंद्र है!'...

...जो भी प्राणी इस लाल हीरे को हाथ लगाएगा, उसे किरीगी निंजा के क्रोध का सामना करना पड़ेगा।'

पत्थर पर पड़ी तारीख आज से सैंकड़ों वर्ष पहले की है।

होऽऽऽ! मैं तो डर गया, भाई! हीरा तो हमने उठा ही लिया है। अब कहीं 'निंजाजी' सैंकड़ों साल बाद जग गए, तो हमारी खैर नहीं है।

अगर जग गए, तो कम से कम मशीनगन को लाना सफल हो जाएगा।

पीछे घूमकर मत देखना। नहीं तो निंजा किरीगी उठ कर खड़ा हो जाएगा! हा हा हा हा!

और हम दोनों को पकड़कर खा जाएगा। हीहीहीहीही!

यह क्या हो रहा है?

..निंजा किरीगी का कहर!

मेरी साधना भंग हो रही है! क्यों?

किसी ने सां-सुग के लाल हीरे को अपने स्थान से हटा दिया है!

और मैं हीरे को हटाने वालों को देख रहा हूं।

मेरी साधना को बीच में ही भंग करने का दंड इनको अवश्य मिलेगा! इन पर बरसेगा...

स..सोर्री! यह तो (गटक) वही है! किरीगी निंजा!

यह तो सचमुच उठ खड़ा हुआ!

भाग, शूला! मुझे तो इससे डर..डर लग रहा है!

Anubhav's scan

Anubhav's scan

इस हीरे को तो *रोईकारा* करोड़ों का बेचेगा!

यह हीरा बेचने के लिए नहीं है। इस हीरे को राजनगर के *माफिया बॉस फरारी* ने मंगवाया है, शूला!

इस हीरे के जरिए वह ध्रुव को खत्म करना चाहता है!

तो ये दोनों दुष्ट मठ से *लाल हीरा* लेकर भाग रहे हैं।

और इस लाल हीरे से, किसी प्रकार ध्रुव की जान ली जाएगी!

जिंगालू इन दोनों में से कोई भी मन्सूबा पूरा होने नहीं देगा!

एक ही छलांग में जिंगालू, हैलीकॉप्ट और शूला, सोर्डी के बीच में आ खड़ा हुआ

अ.. अब ये क्या मुसीबत आ गई?

प...पता नहीं! पर इसको तो मैं अभी *मशीनगन* से छेद देता हूं।

मशीनगन तड़तड़ाई-

तड़ तड़ तड़

और साथ ही साथ जिंगालू का हाथ भी फुर्ती से घूमा।

एक भी गोली जिंगालू तक नहीं पहुंच पाई।

क्योंकि सारी गोलियां, जिंगालू की मुट्ठी में कैद थीं।

लो! ये रहीं तुम्हारी सारी गोलियां!

य.. यह तो बोलता है!

और अब मुझे बताओ, कि इस लाल हीरे और ध्रुव में क्या संबंध है?

आर्र्र्घ! मे.. मेरा... गला दब... रहा है।

Anubhav's scan

पर तभी– मठ के द्वार पर एक धमाका हुआ।

ताड़

चट्टानों के उड़ते टुकड़े जिंगालू के सिर से आ टकराए।

और दोनों कैदी आजाद हो गये।

जिंगालू तुरंत पीछे घूमा-

और आश्चर्यचकित रह गया।

निन्जा देव!

पर भाग सिर्फ एक कैदी ही पाया।

क्योंकि सोर्डी बेहोश हो चुका था।

यह विशालकाय वानर कौन है? यह भी जरूर इन दुष्टों का ही मित्र होगा!

वर्ना यह इस घाटी में क्यों आता?

और यह बीच में खड़ा होकर, अपने साथी को *लाल हीरा* लेकर भागने का मौका दे रहा है। मैं अभी इन दुष्टों को यमलोक पहुंचाता हूं।

किरीगी का खड्ग हवा में उछल कर भागते शूला की तरफ बढ़ा–

ओह शूला की गर्दन खचाक से धड़ से अलग हो गई।

पर हवा में उछले लाल हीरे को पायलट राना ने लपक लिया।

परंतु जिंगालू के पास, राना को रोक पाने का कोई रास्ता नहीं था।

क्योंकि हवा में घूमकर वापस आता खड्ग...

अब उसकी गर्दन की तरफ बढ़ रहा था।

Anubhav's scan

ओह! निंजादेव मुझे भी खत्म कर देना चाहते हैं। ये मुझे भी अवश्य उन चोरों का ही साथी समझ रहे हैं।

पर ऐसी स्थिति में मुझे भी अपनी रक्षा करने का पूरा अधिकार है।

धनाक

फिर चाहे मेरा प्रतिद्वंद्वी दानव हो, ...या देवता!

अच्छा! तो तू मुझे चुनौती देने का साहस कर रहा है, वानर?

अब किरीगी भी तुझसे अपने खड्ग के बिना ही निपटेगा!

संभाल मेरे वार को, वानर!

टनों भारी विशाल शिला जिंगालू की ओर लपकी। और जिंगालू की मुट्ठियां कस गईं।

और शक्तिशाली जिंगालू के एक भीषण वार से ही, विशाल चट्टान के टुकड़े हवा में बिखर गए।

वाह, वानर! तू कौन है? तेरे जैसा शक्तिशाली प्राणी मैंने पहले कभी नहीं देखा

धड़ाक

मेरी सहायता करना, इष्टदेव!

मैं आपका सेवक, हिममानव यतियों का राजकुमार जिंगालू हूं, निंजादेव!

Anubhav's scan

हम सदियों से हिमालय पर रहते और आपकी आराधना करते आए हैं।

सदियों से? यानि मुझे साधना में बैठे हुए कई सौ साल बीत गए हैं?

हां, निंजादेव! हम मठ की दीवारों पर बने आपके चित्रों और लाल हीरे को सदियों से पूज रहे हैं।

अगर तुम इन दुष्टों के साथी नहीं हो, तो इनको लाल हीरे के बारे में पता कैसे चला?

यह इस से पता चल जाएगा, निंजा देव!

बोल! हीरे के बारे में तुम्हको किसने बताया था? क्यों चाहिए था तुमे वह हीरा?

बोल, क्यों चाहिए था तुमे वह हीरा?

हीरा, ध्रुव को खत... आआह!

धांय

ओह! इन दोनों ने आपस में लड़ना बंद करके सोर्डी को पकड़ लिया है।

सोर्डी सब कुछ उगल देगा।

उड़न-यान से किसी ने इसको गोली मार कर खत्म कर दिया!

गोली! उड़न-यान!! इन कुछ सदियों में दुनिया काफी बदल गई है!

पर अब तो यान बादलों में ओझल हो चुका है।

पर मेरी योगिक शक्तियों से ओझल नहीं हुआ, जिंगालू!

मुझे 'लाल हीरा' कहीं नजर नहीं आ रहा है!

वह अवश्य उस 'उड़न यान' में ही है।

मेरी योगिक शक्तियां मुझे अपने-आप, सां-सुग के लाल हीरे तक ले जाएंगी।

Anubhav's scan

और तब वह दुष्ट ध्रुव, मेरे हाथों से मृत्यु को प्राप्त होगा!

ओह! निंजादेव उस आदमी के मुंह से ध्रुव का नाम सुनकर ध्रुव को ही अपराधी मान बैठे हैं!

ऐसे में अगर ध्रुव और निंजादेव का टकराव हो गया, तो ध्रुव की जान खतरे में पड़ सकती है।

मैं ऐसा कभी नहीं होने दूंगा।

ध्रुव ने एक बार मेरी जान और मेरी जाति की इज्जत बचाई है। ★

मुझे सिर्फ इतना पता है कि ध्रुव, पश्चिमी तट पर स्थित महानगरी राजनगर में है! पर मुझे उसका उपकार उतारना ही होगा!

और फिर—

...मैं तुम्हारी समस्या समझ गया, पुत्र जिंगालू!

तो मुझे ध्रुव की महा-नगरी राजनगर तक पहुंचने का मार्ग बताइए, सर्वज्ञाता!

इस समय एक-एक क्षण कीमती है। और ध्रुव तक पहुंचने का सबसे तेज मार्ग है, आकाश मार्ग!

मैं तुमको उड़ने की वह शक्ति देता हूं, जिसका प्रयोग आज से सदियों पहले महा वानर हनुमान ने किया था।

अब तुम पृथ्वी की गुरुत्वाकर्षण शक्ति से मुक्त हो, जिंगालू!

अब जाओ! इष्टदेव तुम्हारी यात्रा सफल करेंगे।

एक हुंकार के साथ जिंगालू ने एक भीषण छलांग मारी—

और अगले ही क्षण जिंगालू राजनगर की तरफ बढ़ रहा था।

जय इष्टदेव!

☆ पढ़िए 'बर्फ की चिता'

Anubhav's scan

परंतु ध्रुव इस समय समुद्र की गहराइयों में था।

चंडकाल? यह टुकड़ा चंडकाल के मंत्र-दण्ड का है। यानि वह दुष्ट अभी भी जीवित है!

तभी तुमने इस डंडे से शॉर्क का पेट आसानी से चीर दिया था।

तुम चंडकाल को ज़ानते हो, धनजय?

बहुत अच्छी तरह से।

चंडकाल हमारे युग की उस निर्दयी जाति का आखिरी वंशज है, जिसे तुम लोग राक्षस के नाम से जानते हो। हमारे युगों-युगों के दुश्मन!

जिस प्रकार से हम वैज्ञानिक शक्तियों की खोज करते हैं। ...

...राक्षस, मायावी या जादुई शक्तियों की खोज करते हैं।

जादू, टोना, तंत्र, मंत्र, यह सब मैं नहीं मानता, धनंजय!

'जादू' भी एक प्रकार की शक्ति है, ध्रुव! और यह भी उतनी असली और ताकतवर है, जितनी कि हमारी वैज्ञानिक शक्तियां।

सच पूछो तो चंडकाल की शक्तियों का सामना, पृथ्वीवासी मिल कर भी नहीं कर सकते।

उसके लिए कुछ भी असंभव नहीं है। आखिर ऐसा कौन सा काम है, जिसे फरारी कर सकता है, पर चंडकाल नहीं?

पर मुझे यह नहीं समझ में आया कि चंडकाल ने, फरारी जैसे आदमी की मदद क्यों ली?

और न ही यह समझ में आया, कि तुमने उसको हरा कैसे दिया?

ऐसा एक ही काम है, धनंजय!

हिमालय के कालिंपा मठ में घुसना।

सां-सुग का लाल हीरा उठाने के लिए।

आप ठीक कह रहे हैं, ज्ञानेश्वर! परंतु अगर ऐसा हो गया, तो गजब हो जाएगा!

मुझे तो कुछ भी समझ में नहीं आ रहा है।

धनंजय ने शीघ्रता से ध्रुव को सां-सुग के लाल हीरे की सारी कहानी सुना दी।

... अब हमें यह देखना है कि किरीगी की निगरानी में रखा लाल हीरा सुरक्षित है या नहीं।

RFN
RAJ COMICS FAN NATION

Anubhav's scan

ओह! मठ का द्वार तो टूटा पड़ा है! ... और अंदर से किरीगी और सां-सुग का लाल हीरा दोनों गायब हैं!!

एक आकृति मठ के पास से उड़कर जा रही है! मैं इसको और पास से देखता हूं!

जरूर इसी ने हीरा उठाया है!

यह तो एक वानर है! विशाल-काय वानर!

नहीं, धनजय यह जिंगालू है! यतियों का राजकुमार और मेरा दोस्त!

चंडकाल सब कुछ करा सकता है, ध्रुव! लाल हीरे की चोरी से जिंगालू का अवश्य कुछ संबंध है। क्योंकि मैंने इसको अपनी आंखों से घटनास्थल से भागते हुए देखा है!

मैं इसके पीछे जा रहा हूं!

पर लाल हीरा कहीं और था।

यह ऐसा काम कभी कर ही नहीं सकता!

आहा! मेरी तो आंखें चुंधिया गईं!

शाबास, राका! पर शूला और सोर्डी कहां हैं?

वे दोनों एक नकाबपोश और विशालकाय बंदर के हाथों मारे गए!

लेकिन पहले में तुमको राजनगर पहुंचा देता हूं!

अच्छा ही हुआ! इस हीरे के बारे में जितने कम लोग जानें, उतना ही अच्छा है!

अब मुझे उस नकाबपोश को रास्ते से हटाना पड़ेगा! वह दिखने में कैसा था?

Anubhav's scan

Anubhav's scan

Anubhav's scan

और–

ओह! वह दुष्ट हीरा लेकर *उड़न-यंत्र* से कहीं और जा रहा है।

यानि मेरी तलाश अभी खत्म नहीं...!

तभी एक कर्णभेदी धमाका हुआ।

और उसके बाद लगातार कई और धमाके।

?

बड़ाम

बड़ाक

धड़ाम

हाहाहाहा! मैंने इसी दिन के लिए अपने अड्डे में जगह-जगह बम फिट कर रखे थे।

नकाबपोश जैसा आदमी भी इन बमों से नहीं बच सकता!...

..कभी नहीं बच सकता!

अब यह बेशकीमती लाल हीरा मेरा है।

सिर्फ मेरा! फरारी से कह दूंगा कि वहां पर न तो मठ था, और न ही हीरा!

वाह, रोईकारा! तुम कितने चालाक हो! हाहाहाहा!

दूसरी तरफ - राजनगर की तरफ बढ़ रहे जिंगालू के लिए भी ध्रुव तक पहुंचना आसान नहीं था।

अरे! एकाएक यह 'सोने की रस्सी' हवा में कैसे आ गई?

और यह मुझे बांध क्यों रही है?

RFN

RAJ COMICS FAN NATION

JOIN US & BE THE PART OF REVOLUTION

Anubhav's scan

और-

धड़ाक

यह तो कोई 'स्वर्ण-मानव' लगता है!

पर इसने मुझपर हमला क्यों किया?

अभी तुम मेरे 'स्वर्ण पाश' की कैद में हो, वानर! तुमको सच बोलना ही पड़ेगा।

बताओ, चंडकाल और लाल हीरा कहां पर हैं?

चंडकाल नाम तो मैंने पहले कभी नहीं सुना!

पर तुम 'लाल हीरे' के बारे में जानते हो, यह जानकर मुझे खुशी हुई।

शायद तुमने ही दो दुष्टों को लाल हीरे का पता बताया था?

पहले मैं तुम्हारे स्वर्ण पाश से आजाद हो लूं।

?

फिर तुमको मेरे सवालों का जवाब देना होगा!

जिंगालू ने उड़ कर पाश को एक उभरी चट्टान में अटका दिया।

और जिंगालू आजाद हो गया।

अब बताओ, स्वर्ण मानव!

तुम लाल हीरे के बारे में कैसे जानते हो? और यह चंडकाल कौन है?

पर ये चट्टानें इतनी मजबूत नहीं हैं।

कड़ाक

कड़

कड़

भोला बनने की कोशिश मत करो, वानर! धनंजय के पास सच उगलवाने के बहुत रास्ते हैं।

अरे! इसने तो मुझे ऊर्जा-बंधनों में कैद कर लिया!

अपनी सारी शक्ति के बावजूद मैं इन बंधनों को तोड़ नहीं पाऊंगा।

हे देव!

इसमें तो शक्ति के साथ-साथ बुद्धि भी है!

Anubhav's scan

Anubhav's scan

फरारी! त--- तुमने मुझे कैसे ढूंढ लिया?

मैंने नहीं, तुमको चंडकाल ने ढूंढा है। यह तुम्हारी हर हरकत को अपने जादू से देख रहा था!

मुझसे गद्दारी करने वाले को गिद्ध खाते हैं, रोईकारा!

और अब तेरा भी वही हाल होगा!

फरारी के हाथ की मशीनगन तड़तड़ाई...

तड़ तड़ तड़ तड़...

...और पलभर में दो लाशें जमीन पर बिछ गईं।

यह रहा सां-सुग का लालहीरा, चंडकाल! मैंने अपना वादा पूरा किया।

अब तुम ध्रुव को खत्म करने का अपना वादा पूरा करो।

हाहाहाहा! शाबास, फरारी! शाबास!

ध्रुव तो क्या, अब मेरे रास्ते में जो भी आएगा, मैं उसको मसलकर रख दूंगा।...

इसीलिए मैंने ध्रुव को मारने की आड़ में तुम्हारे आदमियों से हीरा मंगाया! और अब लालहीरा मुझे ब्रह्मांड का सबसे शक्तिशाली प्राणी बना देगा!

अब चंडकाल अजेय है!

... और शुरूआत तुमसे होगी।

मु..मुझसे! मैं तो तुम्हारा साथी हूं... आआआआ!

तुम बहुत कुछ जान गए हो! तुम्हारा काम खत्म हुआ, फरारी।

कलिंपा मठ में मैं 'महाऊर्जा कवच' के कारण घुस नहीं सकता था।

सारे ब्रह्मांड की शैतानी ताकतें अब मेरे वश में हैं!

Anubhav's scan

लाल हीरे की ऊर्जा, निंजा किरीगी को भी राजनगर तक खींच लाई थी।

यह क्या हो रहा है?

आश्चर्य! हवा में से एक गुलाबी नकाबपोश निकल रहा है!!

मेरी बीवी (हिक्) ठीक ही कहती है, कि दारू मत पियां करो (हिक्)!

मैं तो तुरंत चश्मे का नंबर बदलवाने जा रहा हूं।

मेरी योगिक शक्तियां मुझे यहां पर ले आई हैं। यानि लाल हीरा इसी नगरी में है।

अगर मेरी शक्तियां पूरे जोर पर होतीं, तो मैं हीरे का पता पलभर में लगा लेता!

पर अब मुझे दूसरा रास्ता अपनाना होगा!

मुझे हीरे के चोर 'ध्रुव' को ढूंढना होगा!

तुम ध्रुव हो?

बता, ध्रुव मुझे कहां पर मिलेगा?

मुझे ओर क्रोध मत दिलाओ!

मुझे ध्रुव चाहिए!

न नहीं! छोड़ दो मुझे। कसम से, अब मैं दारू कभी नहीं पिऊंगा!

ऐ मिस्टर! यह झगड़ा क्यों कर रहे हो?

कौन हो तुम? अपना चेहरा मुझे दिखाओ!

Anubhav's scan

Anubhav's scan

Anubhav's scan

अब मुझे अपनी साधना पूरी करने के लिए सिर्फ *निंजा किरीगी* का सैकड़ों वर्ष वाली उम्र वाला *शरीर* चाहिए! और उसके बाद *चंडकाल* पृथ्वी पर ही नहीं, सैकड़ों अन्य ग्रहों पर भी राज्य करेगा!

अब जरा आगे का तमाशा भी देख लूं!

अभी मैं तुम्हारे साथ सिर्फ *खेल* कर रहा हूं, दुष्ट!...

ओफ़! हवा का तेज बवंडर!

... पर अगर तुमने मुझे जल्दी ही लाल हीरे के बारे में नहीं बताया, तो मैं तुमको *खत्म* भी कर दूंगा!

अब आग की गर्म लपट!

किरीगी मजाक नहीं कर रहा है!

यह मुझे सचमुच मार डालने पर उतारू है।

पर मैं हीरे के बारे में कुछ नहीं जान... आऊ!

झूठ मत बोल!

यह मेरी बात को सुनने के लिए बिल्कुल भी तैयार नहीं है!

इसीलिए मुझे इसको अपनी बात सुनने के लिए मजबू करना पड़ेगा।

सबसे पहले मुझे इसका चमत्कारी खड्ग इससे अलग करना पड़ेगा।

और उसके लिए किरीगी का ध्यान बंटाना पड़ेगा!

चिंचीचीची चींच!

ध्रुव चहचहाया...

...और जवाब तुरंत आया।

अपने सैकड़ों वर्ष के जीवन मे भी किरीगी का सामना ऐसे दुश्मन से कभी नहीं हुआ थ

हड़बड़ाहट में वह असावधान हो गया।

Anubhav's scan

और ध्रुव ने खड्ग को किरीगी से अलग कर दिया।

तड़ाक

और साथ ही साथ - ध्रुव की एक जबर्दस्त किक निंजा के शरीर पर आ पड़ी।

धाड़

परंतु-

आई! लगता है जैसे कि मैंने पैर किसी पत्थर पर दे मारा हो।

तुझमें कमाल का साहस है, लड़के!

वर्ना मुझपर हमला करने का साहस तो राक्षसों में भी नहीं था।

अब मैं तुझे लाल हीरे का पता बताने के लिए दस क्षणों का समय देता हूं।

दस क्षणों बाद योगिक शिकंजा तेरे प्राण ले लेगा!

इसकी सारी शक्तियां, 'योग' से पाई गई शक्तियां हैं। और योग का दुश्मन होता है, नशा!

कैप्सूल के फूटते ही 'नर्व गैस' ने निंजा को ढंक लिया।

निंजा ने ऐसी गैस पहले कभी नहीं सूंघी थी।

इसकी योगिक शक्तियों का तो कोई अंत ही नहीं है!

निंजा बहुत शक्तिशाली है! इसको हराने के लिए मुझे अपना सारा दिमाग लगाना होगा!

और निंजा को नशा कराने के लिए मेरी बेल्ट में एक बहुत अच्छी चीज है! नर्व गैस का कैप्सूल।

और वैसे भी, वह सदियों से हिमालय के प्रदूषण रहित वातावरण में रह रहा था। उसपर गैस का असर तुरंत हुआ।

Anubhav's scan

अब इससे पहले कि निंजा होश में आए, मैं इसको लोहे की मजबूत 'स्टार-लाइन' से बांध दूं। और उसके बाद धनंजय को मैसेज भेज दूं।

आश्चर्य! ध्रुव ने अपने दिमाग से निंजा को हरा दिया। चलो, मेरा एक काम तो इसी ने कर दिया।

और लगभग तुरंत ही-

ध्रुव की आंखों के आगे एक तेज रोशनी चमकी। जब ध्रुव की आंखें देख सकने योग्य हुईं-

अब मुझे ध्रुव को खत्म करने, और निंजा को उठाकर यहां लाने के लिए अपने सेवक को भेज देना चाहिए।

जूम्बी!

बाप नहीं, यह मेरा सेवक है; जूंबी। इसके शरीर में सबकुछ है। सिवा जान के! यह पूरी तरह से मेरे मानसिक नियंत्रण में है। और इसको सबसे पहला आदेश है; ध्रुव की मौत!

पर तभी-

तुम पीछे हट जाओ, ध्रुव! इस आफ़त से मैं निपट लूंगा।

तो उसके सामने नर्क का एक प्राणी खड़ा था।

ओह नो! यह तो चंडकाल का भी बाप लग रहा है।

हे भगवान! चंडकाल तो मुझे सांस लेने का मौका भी नहीं दे रहा है! अब इस आफत से मैं कैसे निपटूंगा?

जिंगालू! तुम यहां पर कैसे?

बाद में बताऊंगा! लंबी कहानी है!

Anubhav's scan

Anubhav's scan

ठहरो, जिंगालू! इस जूंबी से तुम मुझे निपटने दो।

नहीं, ध्रुव! तुम्हारे तो यह पलभर में चिथड़े उड़ा देगा।

मैं इसको संभाल लूंगा।

इसबार मैं इसकी गर्दन को ही धड़ से उखाड़ देता हूं। फिर इसका खेल खत्म।

तभी- जूंबी की आंखों के *सांप* लपलपाए...

...और उनके भयंकर विष से भरे दांत जिंगालू की कलाई में आ गड़े।

हिस्स

आह!

जहर ने अपना असर तुरंत दिखाया।

जिंगालू!

यह तो बेहोश हो गया।

और अब जूंबी *मेरी* तरफ बढ़ रहा है!

इस जादुई जीव को ताकत से नहीं हराया जा सकता! *दिमाग* का इस्तेमाल करना पड़ेगा।

इसके पूरे शरीर में मुझे सिर्फ एक ही असामान्य बात दिख रही है। इसकी आंखों से बाहर लपकते *सांप*!

Anubhav's scan

चंडकाल ने कहा था कि वह जूंबी को अपनी मानसिक तरंगों से कंट्रोल कर रहा है।

और शायद ये सांप उन तरंगों को ग्रहण करने के लिए एंटीना का काम कर रहे हैं।

इनको नष्ट करना होगा।

और इसके लिए, सबसे पहला काम इसको असंतुलित करके नीचे गिराना है।

टेढ़े-मेढ़े तरीके से भागते ध्रुव को पकड़ने के चक्कर में--

धड़ाम

...पर ध्रुव ने अमानवीय फुर्ती दिखाते हुए उनकी गर्दनों को अपनी फौलादी गिरफ्त में ले लिया।

और एक तेज़ झटके से सांप, जूंबी के जिस्म से अलग हो गए।

चटाक

जूंबी असंतुलित होकर सचमुच नीचे आ गिरा।

अब सांपों की बारी है। मुझे बहुत सतर्क रहना पड़ेगा।

ये सांप, भयंकर विषयुक्त हैं।

दोनों सांप ध्रुव की तरफ लपके...

Anubhav's scan

हमेशा की तरह ध्रुव का सोचना सही था।

सांपों से अलग होते ही जूंबी का संपर्क *चंडकाल* से टूट गया। और बिना दिमाग का जूम्बी पागलों की तरह इधर-उधर घूमने लगा।

कौंडी बहुत दूर की थी!

पर मेरा सोचना सही निकला।

जूंबी को मैंने असहाय तो कर दिया है। अब इसे *नष्ट* करना बाकी है।

ध्रुव ने आश्चर्यजनक ताकत दिखाते हुए मोटरसाइकल का पेट्रोल टैंक उखाड़ लिया।

धनंजय अब तक आया क्यों नहीं?

कड़मच

अब एक चिंगारी ही काम करने को बहुत थी।

और एक धमाके से जूंबी पेट्रोल में नहा गया।

धमाक

यह क्या हो रहा है?

मैं बेहोश कैसे हो गया था?

और मुझे *बांधा* किसने?

पर ध्रुव के लिए यह मुसीबतों का अंत नहीं था। जिंगालू के बदन में विष फैल रहा था।

धनंजय अबतक नहीं आ पाया था। और *निंजा किरीगी* वापस होश में आ गया था।

ओह! अब तो तू ही रक्षा करना, भगवान!

दड़ाक कड़त

Anubhav's scan

पर इस बार निंजा का ध्यान कहीं और था।

यह तो जूंबी है! चंडकाल का सबसे खतरनाक सेवक।

यानि चंडकाल अभी तक जिंदा है?

तब तो सां सुग का लाल हीरा अवश्य उसी ने चुराया है!

पर अब वह मेरे खड्ग की धार से अपनी गर्दन नहीं बचा पाएगा।

खड्ग! मुझे चंडकाल तक पहुंचा!

और दूर कहीं-

ध्रुव ने जूंबी को मार डाला! यकीन नहीं होता! अगर कहीं यह मेरे युग में पैदा हो गया होता, तो राक्षसों का सफाया और जल्दी हो जाता!

पर अभी तो मुझे किरीगी पर ध्यान देना है।

जो होश में आकर मेरी ओर बढ़ रहा है!

और दूसरी तरफ -

धनंजय!

मुझे आने में देर तो नहीं हुई, ध्रुव?

मैंने जिंगालू के लिए एंबुलेंस मंगाई है! मैं उसी का इंतजार कर रहा हूं।

ठीक है, ध्रुव! मैं किरीगी को रोक कर समझाता हूं। उसके बाद हम सब मिलकर चंडकाल को ढूंढेंगे!

थोड़ी सी हो गई। पर इस वक्त तो तुम किरीगी को रोको!

उसको चंडकाल के बारे में पता चल गया है। उसको ढूंढने के चक्कर में वह आधा शहर तबाह कर देगा!

चंडकाल की तलाश में आगे बढ़ रहा किरीगी एक अदृश्य दीवार से टकरा कर रुक गया।

थड़क़

यह क्या है?

मैं आगे क्यों नहीं बढ़ पा रहा हूं?

Anubhav's scan

Anubhav's scan

तो मेरे योगिक हथौड़े का वार झेलो, देव!

यह तुमको एक ही वार में कुचल देगा!

यह मेरे रक्षा कवच के पार नहीं जा सकता, किरीगी!

मेरे कवच को कोई भी हथियार भेद नहीं सकता।

धांड़

तू सचमुच बहुत शक्तिशाली है, धनंजय!

इसीलिए अब मैं तुझपर अपना सबसे भीषण वार करूंगा।

अपने खड़्ग का!

पर तुम्हारा खड़्ग भी मेरे कवच के पार नहीं...

आर्रर्ह!

खड़्ग कवच को भेद तो नहीं पाया।

लेकिन खड़्ग के स्पर्श से ही धनंजय को योगिक ऊर्जा का एक भयंकर झटका लगा।

और कुछ देर के लिए धनंजय अपने होश खो बैठा।

अब किरीगी को रोकने वाला कोई नहीं बचा।

चल मेरे, खड़्ग!

और पास में ही-

हमारी किसी भी दवाई का असर नहीं हो रहा है, ध्रुव! ऐसा जहर तो मैं पहली बार देख रहा हूं।

घबराओ मत, ध्रुव! इसका इलाज मैं करूंगा!

इसको हुआ क्या है?

तब तो तुम्हारा विज्ञान कुछ नहीं कर सकता है।

पर भाग्य से, मेरे पास इसका इलाज है!

तो क्या जिंगालू नहीं बच पाएगा?

इसको चंडकाल के सेवक, जूंबी, की आंखों से निकलते जहरीले सांपों ने काट लिया है।

अब देखते ही देखते जहर का असर उतर जाएगा!

Anubhav's scan

पल भर बाद –

मुझे क्या हो गया था? जूंबी कहां गया?

शांत हो जाओ, जिंगालू! ध्रुव ने जूंबी को खत्म कर दिया है! पर मैं किरीगी को रोक नहीं पाया।

किरीगी बहुत शक्तिशाली है!

उसको रोकने के लिए हमें अपनी सम्मिलित शक्ति लगानी होगी!

और दूर कहीं –

ओह! अगर ये तीनों किरीगी के साथ मिल गए, तो मेरे लिए किरीगी के शरीर को प्राप्त करना असंभव हो जाएगा!

सुझे इन तीनों को एक साथ अपने रास्ते से हटाना होगा।

चक्रवात!

और अगले ही पल –

हवा एकदम से तेज कैसे हो गई?

आंधी आ रही है क्या?

नहीं, जिंगालू! ...

यह चक्रवात है! भीषण बवंडर! और यह हमको उड़ाकर ले जा रहा है!

कुछ करो, धनंजय!

मेरा सिर घूम रहा है, ध्रुव!

मैं अपनी शक्तियों को केंद्रित नहीं कर पा रहा हूं!

मुझे चक्कर आ रहे हैं!

मुझपर बेहोशी छा रही है।

जल्दी ही –

तीनों अपने होश खो बैठे।

Anubhav's scan

और जब उन को होश आया।

अरे! यह तो कोई नई जगह लगती है।

यह ज़रूर चंडकाल का ही काम है। लाल हीरा पाकर उसकी जादुई शक्तियां बहुत बढ़ गई हैं।

पर मेरे 'ऊर्जा द्वार' के लिए हमको वापस राजनगर पहुंचा देना मामूली काम है!

पर मैं ऐसा नहीं होने दूंगा!

चंडकाल? चंडकाल! तुम हमें रोक नहीं सकते!

अब तुम अपने-आप को ही रोकोगे, वीर धनंजय! हा हा हा हा हा!

इसका चेहरा गायब हो रहा है!

अपने आप को रोकने का क्या मतलब है?

धनंजय! उधर देखो!

पानी में से कुछ आकृतियां निकल रही हैं!

धपा धप धप धप

पर... यह तो हमारे पर... ही प्रतिरूप हैं!

लेकिन क्रूर, खूंखार और खतरनाक!

और शायद... हत्यारे भी!

चंडकाल के पैदा किए हुए हत्यारे!

Anubhav's scan

दूसरी तरफ-

किरीगी का कहर राजनगर पर बरस रहा था।

यही है वह आफत का परकाला, सर!

इस पर एक 'वार्निंग शॉट' दागो!

गोला दगा। पर निशाना सीधा किरीगी के शरीर पर जा लगा।

मैंने 'वार्निंग शॉट' दागने को कहा था, मूर्ख! इस पर निशाना साधने के लिए नहीं!

बड़ाम

सॉरी, सर! इसको देखकर मेरा हाथ डर के मारे कांप गया।

पर..पर इसको तो कुछ भी नहीं हुआ, सर!

इंपासिबिल!

अगले ही पल- क्रोधित किरीगी का खड्ग दहक उठा।

बड़ाक कक

और टैंक के टुकड़े हवा में उड़ने लगे।

ये मूर्ख मेरा बहुमूल्य समय बरबाद कर रहे हैं।

मुझे अपनी योगिक शक्ति का प्रयोग करके इन सब को यहां से दूर भेज देना चाहिए।

किरीगी ने अपना ध्यान केंद्रित किया।

और अगले ही पल- आसपास का पूरा इलाका खाली हो गया।

शाबास, किरीगी!

तुमने पिछले कुछ सौ सालों में महान योगिक शक्तियां प्राप्त कर ली हैं।

Anubhav's scan

Anubhav's scan

यह तो मेरी आंखें नोचने के लिए बेताब हो रहा है।

और अगर इसके पैने पंजे मेरी आंखों से छू भी गए, तो मुझे अंधा होते देर नहीं लगेगी!

जिंगालू ने तेजी से अपने सिर को बढ़ते पंजे के रास्ते से हटाया।

और उसके दुश्मन के पंजे मिट्टी में जा धंसे।

फ़ पा क़

अब यह कुछ क्षणों के लिए मेरा पीछा छोड़ देगा।

ओह! ध्रुव का प्रतिद्वंदी उसपर भारी पड़ रहा है!

इसको तो मैं अभी मसल देता हूं।

आऽऽऽऊ!

धा ड़

तड़ाक

धन्यवाद, जिंगालू!

तभी जिंगालू का प्रतिरूप, पीछे से अपने असावधान दुश्मन पर लपका।

ओह! अब तो जिंगालू को सावधान करने का भी समय नहीं है।

ध्रुव तुरंत आगे लपका।

Anubhav's scan

और-

धड़ाक

ओह! धन्यवाद वापस ले लो, ध्रुव! अगर तुम इसको न रोकते तो यह मेरी पीठ के चिथड़े कर देता।

इसने होश में आने पर, सिर्फ तुम पर ही हमला किया, जिंगालू!

मेरी ओर देखा तक नहीं।

वह तो होगा ही! क्योंकि चंडकाल ने मेरे प्रतिरूप को मुझसे ही लड़ने के लिए पैदा किया है।

और तुम्हारे प्रतिरूप को तुमसे लड़ने के लिए।

मेरा ख्याल भी यही है। और इससे मुझे एक आइडिया आया है।

अगर हमारे प्रतिरूपों के प्रतिद्वंद्वी बदल दिए जाएं, तो ये भ्रम में पड़ जाएंगे।

और तब इनपर काबू पाना आसान हो जाएगा।

कमाल की योजना है, ध्रुव! तुम मेरे प्रतिरूप से निपटो और मैं धनंजय के प्रतिरूप से।

धनंजय तुम्हारे प्रतिरूप से निपट लेगा।

अगले ही पल– धनंजय के प्रतिरूप की पीठ पर एक जबर्दस्त लात पड़ी।

मैं इससे निपटता हूं, धनंजय! तुम ध्रुव के प्रतिरूप को संभालो।

यह ध्रुव की योजना है।

धड़ाक

अगर यह ध्रुव की योजना है, तो फिर मुझे और कुछ नहीं पूछना!

Anubhav's scan

परंतु इसपर भी काबू पाना आसान नहीं होगा।

क्योंकि यह ध्रुव का प्रतिरूप है। और ध्रुव मुझको एक बार पहले *मात* दे चुका है। ☆

सबसे खतरनाक मुकाबला ध्रुव और जिंगालू के डुप्लीकेट के बीच में था। क्योंकि दोनों की ताकत में अंतर बहुत ज्यादा था।

ओह! एकदम से मुझे अपना आइडिया बहुत खराब लग रहा है!

अब तक में '*जुपिटर सर्कस*' में सीखी गई सभी कलाबाजियों का इस्तेमाल कर चुका हूं!

पर अब... आऊऊऊ!!

हे भगवान! अगर मुझे इसका घूंसा जरा सा भी और जोर से लगा होता, तो मैं सैकड़ों मीटर नीचेकी घाटी में होता!

विचित्र स्थान है! इधर सागर, उधर घाटी!

पर इस घाटी ने मुझको बचने का रास्ता सुझा दिया है।

सबसे पहले वह इंतजाम करना पड़ेगा, कि यह जादुई मूर्ख यह न देख सके कि यह कहां जा रहा है।

और यह काम 'आक' पौधे के *फल* करेंगे।

जिन का रस, आंखों में जाते ही तेज जलन पैदा करता है!

और *आंखें* फोड़ भी देता है।

☆ पढ़िए '*ग्रैंडमास्टर रोबो*'

Anubhav's scan

Anubhav's scan

Anubhav's scan

Anubhav's scan

Anubhav's scan

Anubhav's scan

इसी वक्त- ध्रुव, धनंजय और जिंगालू घटनास्थल पर पहुंचे।

हे ईश्वर! चंडकाल ने किरीगी की सारी योगिक शक्तियों को अपने शरीर में सोख लिया है!

अब 'स्वर्ण-नगरी' तो क्या, पूरा ब्रह्मांड मिलकर भी इसका मुकाबला नहीं कर सकता!

क्या इसको रोकने का कोई उपाय नहीं है, धनंजय?

अगर चंडकाल के हाथ से लालहीरे वाला मंत्रदण्ड निकल जाए, तो मैं कुछ कोशिश कर सकता हूं।

तुम दोनों यहीं रुककर चंडकाल पर निगाह रखो।

मैं अभी आया।

अपना प्लान में आने के बाद समझाऊंगा।

पर अब जिसका सामना पूरा ब्रह्मांड भी नहीं कर सकता,..

..उसका मुकाबला ध्रुव कैसे करेगा?

ध्रुव के पास जो विलक्षण दिमाग और जबर्दस्त इच्छा शक्ति हैं, उसके सामने बड़ी से बड़ी ताकतें भी बेकार हैं, जिंगालू!

मुझे पूरा यकीन हैं कि ध्रुव के पास कोई न कोई योजना तैयार हैं।

चंडकाल अब तक इन तीनों को देख नहीं पाया था।

किरीगी की शक्तियां तो मुझे मिल गईं। अब मैं इसका शरीर अपने साथ ले जाकर अपनी 'शक्ति साधना' की तैयारी कर लूं।

मेरे रहते तुम किरीगी को हाथ भी नहीं लगा सकते, चंडकाल!

धनंजय! तू जिंदा बच गया? कैसे?

पर कोई बात नहीं। अब मेरे पास इतनी शक्तियां हैं, कि मैं पूरी देवजाति को मसल सकता हूं।

Anubhav's scan

तुम बहुत गर्मी में आ गए हो, चंडकाल!

मैं तुमको जरा सा ठंडा कर दूं।

धनंजय ने शीत किरणों की मदद से चंडकाल को बर्फ में ढंक दिया।

च्चच्च! ऐसे खेल तो मैं बचपन में खेला करता था! एक मामूली से मंत्र से मैं गर्मी पैदा कर दूंगा, और तुम्हारी बर्फ उड़न छू हो जाएगी!

और अब यह, हमेशा की तरह, वापस जुड़ भी नहीं रहा है!

यह तो शुरूआत थी, चंडकाल!

मेरा मकसद तो तुमको स्वर्ण पाश में जकड़ना है।...

... जिसकी पकड़ से कोई छूट नहीं सकता!

तो तुम आज यह दुर्लभ दृश्य भी देख लो, धनंजय!

अब मैं तुमको एक कीड़े की शक्ल में बदल दूंगा। उस रूप में तुम मुझे ज्यादा अच्छे लगोगे!

आश्चर्य! इसने मेरे स्वर्ण-पाश को कच्चे सूत की तरह तोड़ डाला!!

इतना घमंड अच्छा नहीं है, चंडकाल! तुम्हारी जादुई शक्तियों का मुकाबला करने के लिए धनंजय के पास और भी वैज्ञानिक शक्तियां हैं।

मैं इसका मुकाबला और ज्यादा देर तक नहीं कर सकता! आखिर ध्रुव, योजना पर काम शुरू कब करेगा?

RAJ COMICS FAN NATION
RAJ
CYBERDEJAVU

Anubhav's scan

Anubhav's scan

Anubhav's scan

Anubhav's scan

Anubhav's scan

इसी से मुझे ख्याल आया, कि अगर चंडकाल को भी ऐसी ही परिस्थितियों में डाल दिया जाए, तो वह भी अपनी शक्तियां केंद्रित नहीं कर पाएगा! और उसको पकड़ना आसान हो जाएगा!

तुम्हारी बुद्धि और बल के सामने हमारी असाधारण शक्तियां भी बेकार हैं, ध्रुव!

तुमने चंडकाल के हाथों से केवल लालहीरे को ही नहीं बचाया है, ध्रुव!...

मैं तुमको प्रणाम करता हूं, वीर योद्धा!

बल्कि तुमने पूरी मानव जाति और ब्रह्मांड को भी एक भयानक खतरे से बचाया है!

आप मुझे शर्मिंदा कर रहे हैं, किरीगी देव!

और फिर- धनंजय, जिंगालू और निन्जा किरीगी अपने-अपने स्थानों को लौट चले।

पृथ्वी के वासी शायद इस कहानी को कभी जान नहीं पाएंगे, कि पृथ्वी और ब्रह्मांड विनाश के कितना करीब पहुंच गए थे!...

...और उनको बचाने वाला था एक जांबाज और बुद्धिमान युवक...

सुपर कमांडो ध्रुव!

समाप्त

मुद्रक : जापान आर्ट प्रैस

Anubhav's scan

RFN A.H.W. Tiger Series

राज कॉमिक्स में

थ्रिल हॉरर सस्पैंस सीरीज के अन्य कॉमिक्स

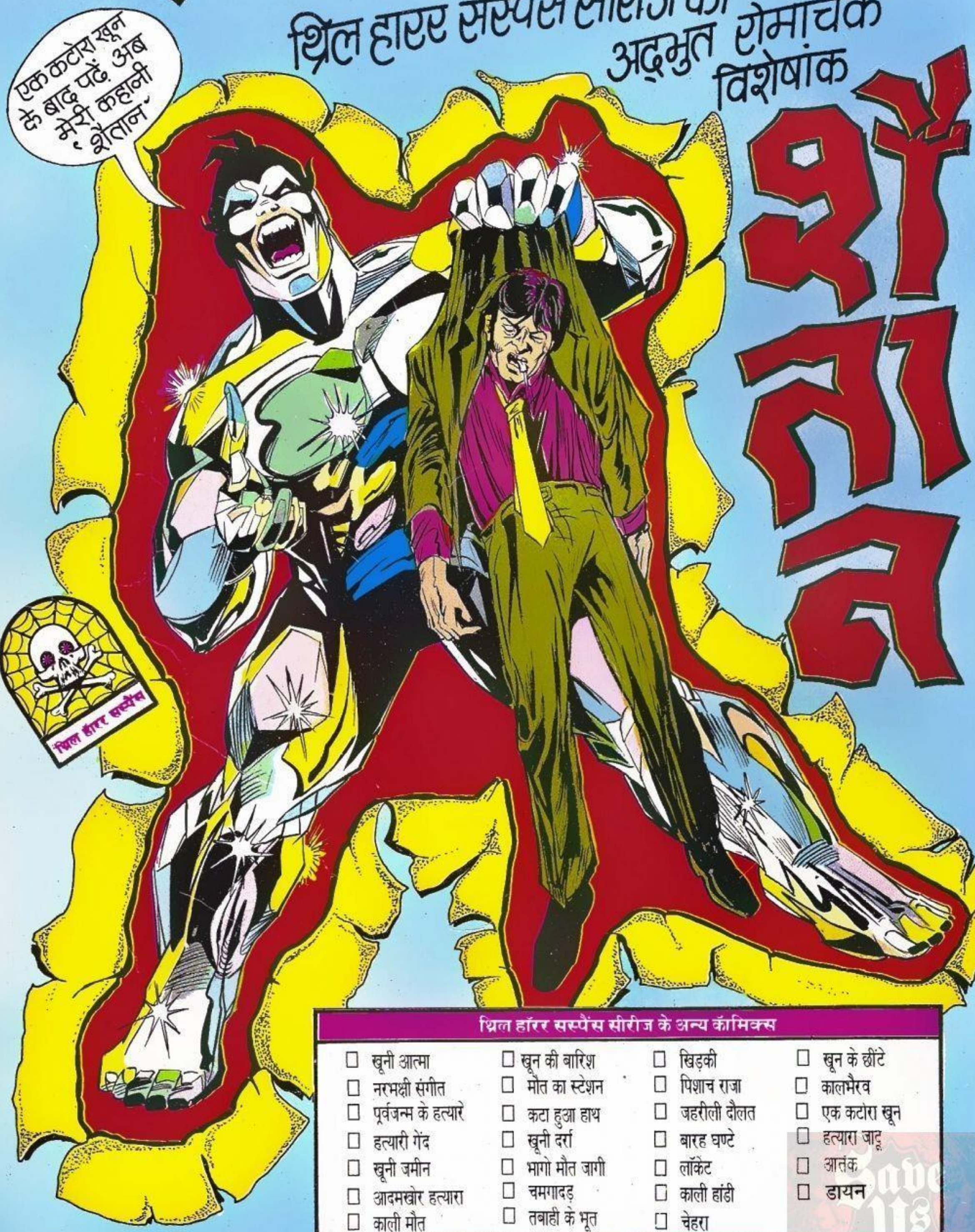

☐ खूनी आत्मा	☐ खून की बारिश	☐ खिड़की	☐ खून के छींटे
☐ नरभक्षी संगीत	☐ मौत का स्टेशन	☐ पिशाच राजा	☐ कालभैरव
☐ पूर्वजन्म के हत्यारे	☐ कटा हुआ हाथ	☐ जहरीली दौलत	☐ एक कटोरा खून
☐ हत्यारी गेंद	☐ खूनी दर्रा	☐ बारह घण्टे	☐ हत्यारा जादू
☐ खूनी जमीन	☐ भागो मौत जागी	☐ लॉकेट	☐ आतंक
☐ आदमखोर हत्यारा	☐ चमगादड़	☐ काली हांडी	☐ डायन
☐ काली मौत	☐ तबाही के भूत	☐ चेहरा	

Save Us Y2J

ANUBHAV'S
UPLOADS
RFN